an>

Title: Need to revive the unit of Cement Corporation of India located in Neemuch, Madhya Pradesh.

श्री सुधीर गुप्ता (मंदसौर) : महोदया, मैं आपका ध्यान एक महत्वपूर्ण मुद्दे की ओर आकर्षित करना चाहता हूं कि मध्य प्रदेश के नीमच जिले के नया गांव में सीमेन्ट कारपोरेशन ऑफ इन्डिया (सी.सी.आई.) एकमात्र भारत सरकार का सार्वजनिक उपक्रम है, जिसकी स्थापना वर्ष 1980 में हुई थी। सी.सी.आई. का प्लांट एक विश्वस्तरीय प्लांट था क्योंकि वहां सी.सी.आई के चूने का पत्थर उच्च गुणवत्तापूर्ण है। इतनी सारी सुविधाओं से परिपूर्ण होते हुए भी इस प्लांट को बन्द करने की आवश्यकता क्यों हुई? सी.सी.आई. हेतु नया गाँव के पास 537 एकड़ भूमि प्लांट के लिए उपलब्ध है, प्लांट को चलाने के लिए पर्याप्त पानी तथा लाइम स्टोन विश्वस्तरीय क्वालिटी का है। ट्रांसपोर्टेशन के लिए 200 मीटर की दूरी पर बड़ी रेलवे लाइन है और नया गांव में दो प्लांट पहले से हैं जिनकी क्षमता 3,000 मीट्रिक टन व 1,200 टी. पी. डी. है। इस प्लांट के माध्यम से वहाँ रोजगार का बहुत बड़ा साधन था। इसमें 800 स्थाई कर्मचारी और 2,500 ठेका के श्रमिक कार्यरत थे और कर्मचारियों के लिए प्लांट के पास आवासीय कालोनी, अस्पताल, बैंक, स्कूल भवन, ट्रेनिंग सेन्टर, अनुसन्धान केन्द्र बड़े पैमाने पर बने हुए हैं।

महोदया, सी.सी.आई. के कर्मचारियों के कुप्रबन्धन की वजह से वर्ष 1996 में 9 करोड़ 66 लाख रूपये विद्युत विभाग के बकाया बिल हो जाने से इस प्लांट को बंद कर दिया गया।

महोदया, इस प्लांट के बन्द हो जाने से हजारों श्रमिक बेघर हो गये तथा वहाँ जो आसपास के लोग जो छोटी-छोटी दुकान खोलकर बैठे थे, वे लोग भी बेरोजगार हो गये हैं।

महोदया, यह बहुत दुख की बात है कि सीमेंट कारपोरेशन ऑफ इंडिया की बिक्री के लिए दो से तीन बार निविदाएं भी निकल चुकी हैं।

महोदया, संबंधित मंत्री जी से अनुरोध है कि इसे दोबारा सुचारू रूप से चलाने की व्यवस्था की जाए।